



Dr. N. C. Rao

05 Dec 1947

09:16 AM

Mandi

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 120384702

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : पुल्लिंग
 05/12/1947 : _____ जन्म तिथि _____ : 05/12/2025
 शुक्रवार : _____ दिन _____ : शुक्रवार
 घंटे 09:16:00 : _____ जन्म समय _____ : 09:14:15 घंटे
 घटी 05:22:41 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 05:16:11 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Mandi : _____ स्थान _____ : Mandi
 उत्तर 31:43:00 : _____ अक्षांश _____ : 31:43:00 उत्तर
 पूर्व 76:55:00 : _____ रेखांश _____ : 76:55:00 पूर्व
 पूर्व 82:30:00 : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:22:20 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:22:20 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 07:06:55 : _____ सूर्योदय _____ : 07:07:46
 17:18:13 : _____ सूर्यास्त _____ : 17:18:18
 23:07:33 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 24:13:13
 धनु : _____ लग्न _____ : धनु
 गुरु : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : गुरु
 सिंह : _____ राशि _____ : वृष
 सूर्य : _____ राशि-स्वामी _____ : शुक्र
 पू०फाल्गुनी : _____ नक्षत्र _____ : रोहिणी
 शुक्र : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : चन्द्र
 3 : _____ चरण _____ : 4
 विष्कुम्भ : _____ योग _____ : साध्य
 कौलव : _____ करण _____ : बालव
 टी-टीकम : _____ जन्म नामाक्षर _____ : वू-वूली
 धनु : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : धनु
 क्षत्रिय : _____ वर्ण _____ : वैश्य
 वनचर : _____ वश्य _____ : चतुष्पाद
 मूषक : _____ योनि _____ : सर्प
 मनुष्य : _____ गण _____ : मनुष्य
 मध्य : _____ नाड़ी _____ : अन्त्य
 श्वान : _____ वर्ग _____ : मृग
 78 : _____ गत/तत्कालिक वर्ष _____ : 79



FUTUREPOINT
Astro Solutions



जन्म - विवरण

वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
पूर्वाषाढा	2	17:14:46	धनु			लग्न			धनु	16:48:15	2	पूर्वाषाढा
ज्येष्ठा	1	19:01:56	वृश्चि			सूर्य			वृश्चि	19:01:56	1	ज्येष्ठा
पूर्वाल्गुनी	3	20:33:55	सिंह			चंद्र			वृष	21:43:08	4	रोहिणी
मघा	3	08:08:28	सिंह			मंगल	अ		वृश्चि	28:09:50	4	ज्येष्ठा
अनुराधा	1	03:20:35	वृश्चि			बुध			तुला	28:45:25	3	विशाखा
अनुराधा	4	16:04:40	वृश्चि	अ		गुरु	व		कर्क	00:01:34	4	पुनर्वसु
मूल	4	12:26:51	धनु			शुक्र			वृश्चि	11:12:12	3	अनुराधा
आश्लेषा	4	29:33:01	कर्क	व		शनि			मीन	00:58:53	4	पूर्वाभाद्रपद
कृतिका	2	00:10:55	वृष	व		राहु	व		कुंभ	19:28:21	4	शतभिषा
विशाखा	4	00:10:55	वृश्चि	व		केतु	व		सिंह	19:28:21	2	पूर्वाल्गुनी
मृगशिरा	3	01:30:42	मिथु	व		मु			मिथु	17:14:46	4	आर्द्रा

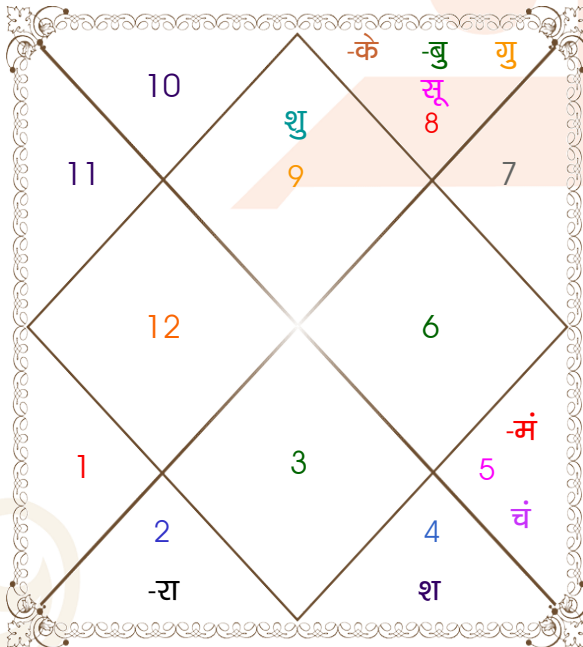
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

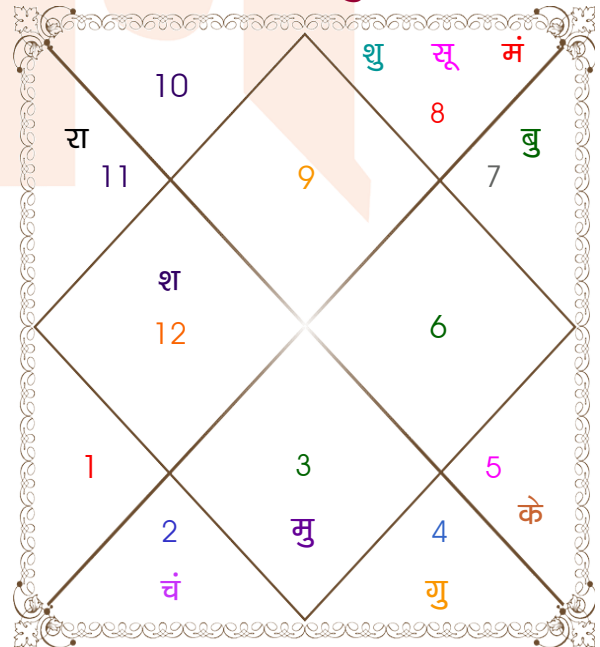
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:13

लग्न-चलित



वर्ष लग्न कुंडली



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020

Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शनि - चंद्र - शनि 04/09/2025 15:04 05/12/2025 04:39	शनि - चंद्र - बुध 05/12/2025 04:39 25/02/2026 02:55	शनि - चंद्र - केतु 25/02/2026 02:55 30/03/2026 20:33	शनि - चंद्र - शुक्र 30/03/2026 20:33 05/07/2026 05:48
शनि 19/09/2025 03:01 बुध 02/10/2025 02:21 केतु 07/10/2025 10:32 शुक्र 22/10/2025 16:48 सूर्य 27/10/2025 06:41 चंद्र 03/11/2025 21:49 मंगल 09/11/2025 06:00 राहु 22/11/2025 23:39 गुरु 05/12/2025 04:39	बुध 16/12/2025 19:13 केतु 21/12/2025 13:55 शुक्र 04/01/2026 05:37 सूर्य 08/01/2026 07:56 चंद्र 15/01/2026 03:47 मंगल 19/01/2026 22:29 राहु 01/02/2026 05:26 गुरु 12/02/2026 03:36 शनि 25/02/2026 02:55	केतु 27/02/2026 02:09 शुक्र 04/03/2026 17:05 सूर्य 06/03/2026 09:34 चंद्र 09/03/2026 05:02 मंगल 11/03/2026 04:16 राहु 16/03/2026 05:43 गुरु 20/03/2026 17:40 शनि 26/03/2026 01:52 बुध 30/03/2026 20:33	शुक्र 15/04/2026 22:06 सूर्य 20/04/2026 17:46 चंद्र 28/04/2026 18:32 मंगल 04/05/2026 09:28 राहु 18/05/2026 20:28 गुरु 31/05/2026 16:54 शनि 15/06/2026 23:09 बुध 29/06/2026 14:52 केतु 05/07/2026 05:48
शनि - चंद्र - सूर्य 05/07/2026 05:48 03/08/2026 03:47	शनि - मंगल - मंगल 03/08/2026 03:47 26/08/2026 18:32	शनि - मंगल - राहु 26/08/2026 18:32 26/10/2026 11:53	शनि - मंगल - गुरु 26/10/2026 11:53 19/12/2026 11:18
सूर्य 06/07/2026 16:30 चंद्र 09/07/2026 02:20 मंगल 10/07/2026 18:49 राहु 15/07/2026 02:55 गुरु 18/07/2026 23:27 शनि 23/07/2026 13:19 बुध 27/07/2026 15:38 केतु 29/07/2026 08:07 शुक्र 03/08/2026 03:47	मंगल 04/08/2026 12:51 राहु 08/08/2026 01:51 गुरु 11/08/2026 05:25 शनि 14/08/2026 23:09 बुध 18/08/2026 07:27 केतु 19/08/2026 16:30 शुक्र 23/08/2026 14:58 सूर्य 24/08/2026 19:18 चंद्र 26/08/2026 18:32	राहु 04/09/2026 21:08 गुरु 12/09/2026 23:27 शनि 22/09/2026 14:11 बुध 01/10/2026 04:39 केतु 04/10/2026 17:40 शुक्र 14/10/2026 20:33 सूर्य 17/10/2026 21:25 चंद्र 22/10/2026 22:52 मंगल 26/10/2026 11:53	गुरु 02/11/2026 16:36 शनि 11/11/2026 05:42 बुध 18/11/2026 21:13 केतु 22/11/2026 00:47 शुक्र 01/12/2026 00:42 सूर्य 03/12/2026 17:28 चंद्र 08/12/2026 05:25 मंगल 11/12/2026 08:59 राहु 19/12/2026 11:18
शनि - मंगल - शनि 19/12/2026 11:18 21/02/2027 13:36	शनि - मंगल - बुध 21/02/2027 13:36 19/04/2027 21:59	शनि - मंगल - केतु 19/04/2027 21:59 13/05/2027 12:44	शनि - मंगल - शुक्र 13/05/2027 12:44 20/07/2027 00:01
शनि 29/12/2026 14:52 बुध 07/01/2027 16:47 केतु 11/01/2027 10:31 शुक्र 22/01/2027 02:55 सूर्य 25/01/2027 07:50 चंद्र 30/01/2027 16:01 मंगल 03/02/2027 09:45 राहु 13/02/2027 00:30 गुरु 21/02/2027 13:36	बुध 01/03/2027 16:36 केतु 05/03/2027 00:53 शुक्र 14/03/2027 14:17 सूर्य 17/03/2027 11:06 चंद्र 22/03/2027 05:48 मंगल 25/03/2027 14:05 राहु 03/04/2027 04:33 गुरु 10/04/2027 20:04 शनि 19/04/2027 21:59	केतु 21/04/2027 07:03 शुक्र 25/04/2027 05:31 सूर्य 26/04/2027 09:51 चंद्र 28/04/2027 09:05 मंगल 29/04/2027 18:08 राहु 03/05/2027 07:09 गुरु 06/05/2027 10:43 शनि 10/05/2027 04:27 बुध 13/05/2027 12:44	शुक्र 24/05/2027 18:37 सूर्य 28/05/2027 03:35 चंद्र 02/06/2027 18:31 मंगल 06/06/2027 16:59 राहु 16/06/2027 19:52 गुरु 25/06/2027 19:46 शनि 06/07/2027 12:09 बुध 16/07/2027 01:33 केतु 20/07/2027 00:01

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्येश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकार्यों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकांश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथा:-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे ।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजन्मषोर्बलमस्य चिन्त्यम् ।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः ।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे ॥

* * * * *

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा वातजनित रोगों या बुखार आदि से आप कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे तथा मन में व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। शत्रु वर्ग से इस समय आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे तथा आपके लिए समय समय पर वे बाधाएं उत्पन्न करेंगे। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि इस समय अच्छी नहीं रहेगी तथा परस्पर कलह एवं विवाद होता रहेगा। साथ ही स्त्री से भी आपको कोई विशेष सुख एवं सहयोग की प्राप्ति नहीं होगी एवं संबंधों में तनाव रहेगा फलतः दाम्पत्य जीवन में कटुता रहेगी। संतति पक्ष से भी इस समय आपको कोई सहयोग नहीं मिलेगा तथा उनका स्वास्थ्य भी मध्यम रहेगा। साथ ही अन्य कई प्रकार से आपको मानसिक तथा सांसारिक कष्ट प्राप्त होंगे। इस वर्ष में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे तथा अधिकांश कार्यों में असफलता ही मिलेगी एवं रूकावटें भी उत्पन्न होंगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता की दृष्टि से वर्ष विशेष अच्छा नहीं रहेगा । इस समय व्यापार में समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा हानि की भी संभावना रहेगी । अतः नवीन कार्य प्रारम्भ न करें तथा पुराने कार्य पर ही परिश्रम करें । नौकरी या राजनीति में भी इस समय आपकी पदोन्नति में विलम्ब होगा तथा वरिष्ठ नेता एवं अधिकारी वर्ग आपसे असन्तुष्ट रहेगा जिससे कार्य क्षेत्र प्रभावित होगा । आर्थिक दृष्टि से भी वर्ष अच्छा नहीं रहेगा तथा आय स्रोतों में व्यवधान होंगे फलतः यदा कदा आपको धनाभाव का सामना भी करना पड़ सकता है । साथ ही व्यय भी अधिक रहेगा । इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा । अतः इस समय शान्ति एवं परिश्रम पूर्वक अपने कार्यों में तत्पर रहें तथा विशेष शुभ फल की आशा कम ही रखें ।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़े से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथा:-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्विहास्वामिसौम्येत्यशालं प्रपन्ना ।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य ॥

- * - * - * - * - * - * - * - * - * - *

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करते रहेंगे। इस समय आपकी मानसिक स्थिति भी विशेष अच्छी नहीं रहेगी तथा अशान्ति एवं असन्तुष्टि का भाव मन में विद्यमान रहेगा। स्त्री एवं बन्धुवर्ग से आपको विशेष सुख एवं सहयोग अल्प ही मिलेगा तथा इनसे समय समय पर आपको अनावश्यक समस्याएं तथा परेशानियां उत्पन्न होंगी। शत्रु पक्ष से भी आप इस समय चिन्तित रहेंगे तथा आपके लिए वे उन्नति के मार्ग में व्यवधान उत्पन्न करते रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों की आप उपेक्षा करेंगे। साथ ही लोभ एवं मोह में आपकी अधिक आसक्ति रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता के लिए भी वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा तथा उन्नति के मार्ग में व्यवधान होंगे अतः नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में वरिष्ठ सहयोगी अथवा उच्चाधिकारी वर्ग से सावधान रहें एवं उनकी आज्ञा का पालन करें। साथ ही व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें एवं किसी नए कार्य पर व्यय न करें तथा प्रारंभ भी न करें अन्यथा असफलता ही अधिक मिलेगी। मित्र वर्ग से भी इस समय आप को विशेष सहयोग नहीं मिलेगा तथा वे भी ऐसे समय में शत्रु की तरह की तरह व्यवहार करेंगे। मानसिक रूप से भी आप में दुर्बलता रहेगी तथा किसी प्रकार के बन्धन का भी भय लगा रहेगा। अतः ऐसे समय में आपको अत्यंत ही संयम एवं सावधानी पूर्वक अपना समय व्यतीत करना चाहिए।

